/लोकसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****
'हरकामदेशकेनाम'

नईदिल्लीःश्रावण14, 1944
शुक्रवारः 05अगस्त 2022

तेजसलड़ाकूविमान

रक्षामंत्रालय (एमओडी) केअंतर्गतसार्वजनिकक्षेत्रकेएकरक्षाउपक्रम, हिन्दुस्तानएरोनॉटिक्सलिमिटेड (एचएएल), नेएलसीएवर्गकेविमानोंकेलिएरॉयलमलेशियनएयरफोर्स (आरएमएएफ), मलेशियासेफरवरी, 2019 मेंप्राप्तसूचनार्थअनुरोध (आरएफआई) काउत्तरदियाथा।

उसकेबाद, एचएएलनेअक्तूबर, 2021 में 18 फाइटरलीडइनट्रेनर-लाइटकॉम्बैटएयरक्राफ्ट (एफएलआईटी-एलसीए) केलिएआरएमएएफ, मलेशियाद्वाराजारीनिविदाकेलिएप्रस्तावहेतुअनुरोध (आरएफपी) काउत्तरदियाथाऔरएचएएलनेएलसीएतेजसदोसीटोंवालेवैरिएंटकीपेशकशकीथी।एलसीएविमानमेंरुचि दिखानेवालेअन्यदेश: अर्जेन्टिना; आस्ट्रेलिया; मिस्र; यू.एस.ए; इंडोनेशियाऔरफिलिपींसहैं।

सरकारनेदेशमेंरक्षाउपस्करोंकेस्वदेशीडिजाइन, विकासएवंविनिर्माणकोप्रोत्साहितकरनेकेलिएविगतकुछवर्षोंमेंकईपहलेंकीहैंऔरसुधारकिएहैं, जिससेइनकेउत्पादनमेंविस्तारहुआहै।इनपहलोंमेंअन्यबातोंकेसाथ-साथनिम्नलिखितशामिलहैं:-

(1) रक्षाअर्जनप्रक्रिया (डीएपी) -2020 केअंतर्गतघरेलूस्रोतोंसेपूंजीगतमदोंकीअधिप्राप्तिकोप्राथमिकतादेना।
(2) उद्योगद्वारासंचालितडिजाइनएवंविकासकेलिएमार्च, 2022 में18 प्रमुखरक्षाप्लेटफार्मोंकीघोषणा।
(3) सेनाओंकीकुल310 मदोंकीतीन 'सकारात्मकस्वदेशीकरणसूचियों' औरसार्वजनिकक्षेत्रकेरक्षाउपक्रमों (डीपीएसयू) कीकुल2958

मदोंकीदो 'सकारात्मस्वदेशीकरणसूचियों' कीअधिसूचना, जिसकेलिएउनकेसामनेदर्शायीगईसमय-सीमाकेबादइनमदोंकेआयातपरप्रतिबंधहोगा।

(4) लंबीवैधताअवधिकेसाथऔद्योगिकलाइसेंसिंगप्रक्रियाकासरलीकरण।

(5) स्वचालितमार्गकेअंतर्गत74 प्रतिशततकएफडीआईकीअनुमतिदेकरप्रत्यक्षविदेशीनिवेश (एफडीआई) नीतिकाउदारीकरण।

(6) मेकप्रक्रियाकासरलीकरण।

(7) स्टार्टअप्सएवंसूक्ष्मलघुएवंमध्यमउद्यमों (एमएसएमई) कोशामिलकरकेरक्षाउत्कृष्टताहेतुनवाचार (आईडेक्स) योजनाकीशुरूआत।

(8) सार्वजनिकअधिप्राप्ति (मेकइनइंडियाकोवरीयता) आदेश-2017 काकार्यान्वयन।

(9) एमएसएमईसहितभारतीयउद्योगद्वारास्वदेशीकरणकीसुगमताकेलिएसृजननामकएकस्वदेशीपोर्टलकीशुरूआत।

(10) उच्चगुणकोंकीसुविधाकेसाथरक्षाविनिर्माणकेलिएनिवेशएवंप्रौद्योगिकीहस्तांतरणआकर्षितकरनेपरबलदेतेहुएऑफसेटनीतिमेंसुधार।

(11) दोरक्षाऔद्योगिकगलियारों, उत्तरप्रदेशऔरतमिलनाडुमेंएक-एक, कीस्थापना।

(12) देशमेंरक्षाप्रौद्योगिकीकेविकासकोबढ़ावादेनेकेलिएचिन्हित25 प्रतिशतरक्षाआरएंडडीबजटकेसाथउद्योग, स्टार्टअप्सएवंशैक्षिकसंस्थाओंकेलिएरक्षाअनुसंधानएवंविकास (आरएंडडी) खोलना; और

(13) घरेलूस्रोतोंसेअधिप्राप्तिकेलिएसेनाकेआधुनिकीकरणकेलिएरक्षाबजटकेआवंटनमेंप्रगामीवृद्धि, इत्यादि।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजलोकसभामेंश्रीमतीक्कीनओझाएवंअन्यद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखित उत्तरमेंयहजानकारीलोकसभाकेपटलपररखी।

एबीबी/डीके/डीएस

/लोकसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****
'हरकामदेशकेनाम'

नईदिल्लीःश्रावण14, 1944
शुक्रवारः 05 अगस्त 2022

वेतनोंपरहोनेवालाव्यय

01अप्रैल 2022 कीस्थितिकेअनुसार, रक्षासेनाओंमेंपेंशनभोगियोंकीकुलसंख्या35,21,876 है।वर्ष2012 से2022 तकपेंशनभुगतानकेवास्तविकअनुमानइसप्रकारहैं:-

(राशिकरोड़में)

वर्ष	रक्षापेंशन(वास्तविकव्यय)
2012-13	43,367.71
2013-14	45,499.54
2014-15	60,449.75
2015-16	60,237.60
2016-17	87,825.80
2017-18	91,999.58
2018-19	1,01,774.61
2019-20	1,17,810.24
2020-21	1,28,065.77
2021-22	1,16,799.85

प्रतिष्ठानव्ययमेंवेतन, चिकित्साखर्च, मजदूरी, समयोपरिभत्ता, विदेशयात्रासंबंधीखर्च, घरेलूयात्रासंबंधीखर्च, कार्यालयखर्च, सामग्रियांएवंआपूर्तियां, प्रकाशन, विज्ञापनएवंप्रचार, प्रशिक्षण, अन्यप्रशासनिकखर्च, पीओएल, राशनलागत, वस्त्रएवंशिविर, पेशेवरसेवाएं, किरायादरएवंकर, रॉयल्टी, पेंशनसंबंधीभुगतान, पुरस्कारएवंलघुकार्य, मोटरवाहन, सूचनाप्रौद्योगिकीइत्यादिजैसेप्रतिष्ठानसेसंबंधितसभीव्ययशामिलहोतेहैं।प्रतिष्ठानव्ययमेंवेतनएवंअवेतनदोनोंखंडशामिलहोतेहैं।विगतपांचवर्षोंकेदौरानरक्षाकार्मिकोंकेवेतन, अवेतन (रक्षाभंडारअधिप्राप्तिसहित) औरपेंशनपरकिएगएकुलव्ययकाब्यौराइसप्रकारहै:-

(करोड़रु. में)

वर्ष	वेतनपरकुलव्यय	अवेतनपरकुलव्यय	रक्षापेंशनपरकुलव्यय
2017-18	1,34,354.90	47,766.54	91,999.58
2018-19	1,41,508.00	50,951.59	1,01,774.61
2019-20	1,47,972.55	59,599.60	1,17,810.24
2020-21	1,45,884.74	59,855.17	1,28,065.77
2021-22*	1,57,893.39	70,668.90	1,16,799.85

*अनंतिमआंकड़ें

वर्ष 2014-15 से 2022-23 तकबजटअनुमानों (बीई) मेंरक्षामंत्रालय (सभीचारअनुदान) कोप्रदानकिएगएबजटकाब्यौरानीचेसारणीमेंदियागयाहै:

(करोड़रु. में)

वित्तीयवर्ष	बीईआवंटन
2014-15	2,85,202.87
2015-16	3,10,079.60
2016-17	3,40,921.98
2017-18	3,59,854.12
2018-19	4,04,364.71
2019-20	4,31,010.79
2020-21	4,71,378.00
2021-22	4,78,195.62
2022-23	5,25,166.15

उपर्युक्तसारणीसेअनुमानलगायाजासकताहैकिरक्षाकेलिएबजटआवंटनमेंनिरंतरवृद्धिहुईहै।

मंत्रालयमेंअन्यदेशोंकेव्ययसंबंधीआंकड़ेंनहींरखेजातेहैं।तथापि, स्टॉकहोमअंतर्राष्ट्रीयशांतिअनुसंधानसंस्थान (एसआईपीआरआई) कीवेबसाइटपरउपलब्धआंकड़ोंकेआधारपरवर्ष 2021 केलिएशीर्षपांचदेशोंकेव्ययसंबंधीआंकड़ेइसप्रकारहैं:-

(मौजूदामिलियनअमरीकीडालरमें)

क्रमसं.	**देश**	**वर्ष 2021 केलिएव्यय**
1	संयुक्तराज्यअमेरिका	800,672.20
2	चीन	293,351.90
3	भारत	76,598.00
4	युनाइटेडकिंगडम	68,336.40
5	रूस	65,907.70

उपर्युक्तसारणीसेदेखाजासकताहैकिभारतकारक्षाव्ययवर्ष 2021 मेंरक्षाव्ययकरनेवालेप्रमुखदेशोंमेंतीसरेस्थानपरहै।यहउल्लेखकरनाप्रासंगितहोगाकिसरकारीसंसाधनएक निश्चितलागतसेप्राप्तहोतेहैंऔरतदनुसार,

सरकारकेसमग्रसंसाधनसमूहकेआधारपरविभिन्नप्रतिस्पर्धीप्राथमिकताओंकेबीचआवंटनकिएजातेहैं।यह भीउल्लेखनीयहैकिकेन्द्रीयमंत्रालयोंमेंरक्षामंत्रालयकाबजटसर्वाधिकहै।

पूंजीगतव्ययमेंवृद्धिकरनेकेलिएचलरहेरक्षासुधारोंकेभागकेरूपमेंपूंजीअर्जनकीपरियोजनाओंकोनियंत्रितकरनेवालेप्रक्रियागतदिशा-निर्देशोंमेंसंशोधनकियागयाहैऔररक्षाअर्जनप्रक्रिया, 2020 केतहतअधिसूचितकियागयाहै।इसकेअलावा,
सेनामुख्यालयोंऔरफील्डकमानोंमेंपीएसओकेओवरहाल,
रिफिटएवंउन्नयनकेलिएवित्तीयशक्तियोंकेनएप्रत्यायोजनसहितमुख्यालयस्तरपरसंवर्धितप्रत्यायोजितपूंजीगतअधिप्राप्तिशक्तियोंकेसाथसेनाओंकोअधिकारदिएगएहैं।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजलोकसभामेंश्रीदीपकअधिकारी (देव) एवंअन्यद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखितउत्तरमेंयहजानकारीलोकसभाकेपटलपररखी।

एबीबी/डीके/डीएस

/लोकसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****
'हरकामदेशकेनाम'

नईदिल्लीःश्रावण14, 1944
शुक्रवारः 05 अगस्त 2022

रक्षाविनिर्माणमेंअनुसंधानऔरविकास

रक्षाविनिर्माणमेंअनुसंधानऔरविकासकोबढ़ावादेनेकेलिएसरकारद्वाराकिएगएउपायनिम्नानुसारहैं :-

- डीआरडीओनेडीआरडीओद्वाराविकसितप्रणालियोंकेलिएविकास-सह-(डीसीपीपी) उत्पादनसाझेदार उद्योगोंकीभागीदारीकोसुनिश्चितकरतीहैकेचयनकेलिएएकनीतिप्रस्तुतकीहैजोविकासचक्रकेआरंभसे सीमामेंकमीलातीहै।-औरविकाससेप्रवेशचक्रकीसमय
- डीआरडीओनेअपनेउद्योगसाझेदारों (डीसीपी) विकाससहउत्पादनसाझेदार) /उत्पादनएजेंसी (पीए) केलिए 'शून्य' टीओटीशुल्कऔरभारतीयसशस्त्रसेनाओंतथासरकारीविभागकोआपूर्तिकेलिए 'शून्य' रॉयल्टीकेसाथनईटीओटीनीतिऔरप्रक्रियाकोप्रख्यापितकियाहै।यहवैश्विकबाजारमेंभारतीयउद्योगों कीक्षमताओंऔरप्रतिस्पर्धात्मकतामेंवृद्धिकरेगी।यहउच्चतरआत्मनिर्भरताकीप्राप्तिकेलिएरक्षाविनिर्माणक्षेत्रमेंभारतीयउद्योगोंकोऔरअधिकप्रोत्साहनभीप्रदानकरेगी।
- डीआरडीओनेभारतीयउद्योगोंकोडीआरडीओपेटेंटकाउपयोगकरनेकेलिएनिःशुल्कपहुंचकोसुगमबनानेहेतुनईपेटेंटनीतिकोप्रख्यापितकियाहै।यहभारतीयउद्योगोंकाउनकेअनुसंधानएवंविकासकोऔर अधिकप्रोत्साहनदेनेतथानईप्रौद्योगिकीयोंकेविकासकेलिएडीआरडीओद्वाराकिएगएनवाचारोंतकपहुंचप्रदानकरेगी।
- डीआरडीओनेप्रौद्योगिकीविकासनिधि (टीडीएफ) कियाहैजोनवोन्मेषीरक्षाउत्पादोंकेडिजाइनएवंविकासकेलिएभारतीयउद्योगोंसहितएमएसकाशुभारंभ -एमईएवंस्टार्ट अप्सकेलिएवित्तीयसहायताप्रदानकरतीहै।यहसहायताअनुदानकेमाध्यमसेसशस्त्रसेनाओंद्वाराप्रयुक्त प्रणालियों, घटकोंऔरशस्त्रोंकेलिएप्रौद्योगिकीयोंकेडिजाइनएवंविकासहेतुवित्तपोषणउपलब्धकरातीहै।टीडीएफ नवाचारकोप्रोत्साहनदेनेऔरस्वदेशीरक्षाविनिर्माणपारितंत्रकेविकासकोबढ़ावादेनेहेतुएकसमर्थकारी पारितंत्रकानिर्माणकरनेमेंयोगदानदेतीहै।

विगततीनवर्षोंकेदौरानडीआरडीओमेंविभिन्नअनुसंधानएवंविकासपरियोजनाओंकेतहतपरियोजनाओं औरउपयोगकेलिएस्वीकृतधनराशिकाविवरणनिम्नानुसारहैः

वर्ष	**स्वीकृतपरियोजनाओंकीसंख्या**	**धनराशि**
2019	81	4895.86 करोड़रुपए
2020	88	4031.7 करोड़रुपए
2021	74	19978.90 करोड़रुपए
जनवरी 2022 सेआजकीतिथितक	39	9078.91 करोड़रुपए
कुल	282	37,985.37 करोड़रुपए

सरकारनेविगतकुछवर्षोंमेंअनेकनीतिगतपहलेंकीहैऔररक्षाउपस्करकेस्वदेशीडिजाइन, विकासऔरविनिर्माणकोप्रोत्साहितकरनेकेलिएसुधारकिएहैंजिससेदेशमेंरक्षाविनिर्माणएवंप्रौद्योगिकीमेंआत्म निर्भरताकोबढ़ावामिलसकेकुछमहत्वपूर्णउपायनिम्नानुसारहैं:-

- रक्षाअर्जनप्रक्रिया (डीएपी)- 2020 केतहतघरेलूस्रोतोंसेपूंजीगतमदोंकीअधिप्राप्तिकोप्राथमिकतादेना।मार्च, 2022 मेंउद्योगद्वारासंचालितडिजाइनएवंविकासकेलिए 18 प्रमुखरक्षाप्लेटफार्मोंकीघोषणा।
- सेनाओंकीकुल 310 मदोंकीतीन 'सकारात्मकस्वदेशीकरणसूचियों' औरसार्वजनिकक्षेत्रकेरक्षाउपक्रमों (डीपीएसयू) कीकुल 2958 मदोंकीदो 'सकारात्मकस्वदेशीकरणसूचियों' कीअधिसूचनाजिनकेलिएउनकेसामनेनिर्दिष्टसमय-सीमाओंकेबादआयातपरप्रतिबंधहोगा।
- लम्बीवैधताअवधिकेसाथऔद्योगिकलाइसेंसप्रदानकरनेकीप्रक्रियाकासरलीकरण।
- स्वचालितमार्गकेतहत 74 प्रतिशतएफडीआईकीअनुमतिदेकरप्रत्यक्षविदेशीनिवेश (एफडीआई) काउदारीकरण।
- मेकप्रक्रियाकासरलीकरण, स्टार्टअप्सएवंसूक्ष्म, लघुऔरमध्यमउद्यमों (एमएसएमई) कोशामिलकरकेरक्षाउत्कृष्टतायोजना (आईडेक्स) काशुभारंभ।
- लोकअधिप्राप्ति (मेकइनइंडियाकोवरीयता) आदेश, 2017 काकार्यान्वयन।
- एमएसएमईसहितभारतीयउद्योगद्वारास्वदेशीकरणकोसरलऔरसहजबनानेकेलिए 'सृजन' नामकएकस्वदेशीकरणपोर्टलकाशुभारंभ।
- उच्चतरगुणकोंकेआवंटनद्वारारक्षाविनिर्माणकेलिएनिवेशकोआकर्षितकरनेऔरप्रौद्योगिकीहस्तांतरण कोप्रोत्साहनदेनेकेसाथऑफसेटनीतिमेंसुधार।
- दोरक्षाऔद्योगिकगलियारोंउत्तरप्रदेशऔरतमिलनाडुप्रत्येकमेंसेएक -एक, कीस्थापना।
- 25 प्रतिशतरक्षाअनुसंधानएवंविकासबजटकेसाथउद्योग, स्टार्टअप्सऔरशैक्षणिकसंस्थानोंकेलिएरक्षाअनुसंधानएवंविकास (आरएंडडी) शुरूकरना।
- घरेलूस्रोतोंसेअधिप्राप्तिकेलिएसैन्यआधुनिकीकरणकेरक्षाबजटकेआवंटनमेंप्रगामीवृद्धिआदि।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजलोकसभामेंश्रीपीवीमिधुनरेड्डीऔरडॉसंजीवकुमारशिंगरीद्वारापूछेगए एकप्रश्नकेलिखितउत्तरमेंयहजानकारीलोकसभाकेपटलपररखी।

एबीबी/डीके/डीएस

/लोकसभा/

pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****
'हरकामदेशकेनाम'

नईदिल्लीःश्रावण14, 1944
शुक्रवारः 05 अगस्त 2022

पूर्वसैनिकोंकाकल्याण

देशमेंभूतपूर्वसैनिकों (ईएसएम) कीसंख्याअनुबंध-कपरदीगईहै।

केंद्रीयसैनिकबोर्डपूरेदेशमेंपूर्वसैनिकोंऔरउनकेआश्रितोंकेकल्याणऔरपुनर्वासहेतुयोजनाओंकाकार्यान्वयनकरताहै।इसकाब्यौराअनुबंध-खपरदियागयाहै।पुनर्वासमहानिदेशालय (डीजीआर) विभिन्नपुनर्वासयोजनाओंकोकार्यान्वितकरताहै।ब्यौराअनुबंध-गपरदियागयाहै।

(क) पिछलेकुछवर्षोंमेंनिम्नलिखितयोजनाओंकीलाभराशिमेंवृद्धिकीगईहै।ब्यौरानिम्नानुसारहै:-

(i) दिनांक 01 अप्रैल 2016 सेविवाहअनुदानकोप्रतिपुत्री 16000/-रु. रुपएसेबढ़ाकर 50000/-रु. करदियागयाहै।

(ii) दिनांक 01 अप्रैल 2017 सेपेन्युरीअनुदानको 1000/- रुपएसेबढ़ाकर 4000/-रु. प्रतिमाहकरदियागयाहै।

(iii) दिनांक 01 अगस्त 2021 से 100% दिव्यांगबालअनुदानको 1000/-रु. सेबढ़ाकर 3000/-रु. प्रतिमाहकरदियागयाहै।

(iv) दिनांक 01 अप्रैल 2022 सेदिव्यांगपूर्वसैनिकोंहेतुमोबिलिटीउपकरणराशि 57000/-रु. सेबढ़ाकर 1,00,000/-रु. करदीगयीहै।

(v) दिनांक 01 अप्रैल2022 सेपूर्वसैनिकोंकेबच्चोंकोप्रदानकियाजानेवालाअनाथअनुदान 1000/-रु. प्रतिमाहसेबढ़ाकर 3000/-रु.करदियागयाहै।

(ख) पेन्युरी, विवाहऔरशिक्षाअनुदानोंकेपिछलेमामलोंकेनिपटानकेलिएवित्तीयवर्ष 2021-22 केदौरानअतिरिक्त 320करोड़रुपएभीआबंटितकिएगएथे।

''पूर्वसैनिकोंसैनिकोंकाकल्याण'' केबारेमेंउल्लिखितअनुबंध-क

राज्य/संघशासितक्षेत्र : 31 दिसम्बर,राज्य/संघशासितक्षेत्र 31 दिसंबर 2021 तकपूर्वसैनिकोंकीसंख्या

क्र.सं.	राज्य/संघशासितक्षेत्र	पूर्वसैनिकोंकीसंख्या
1.	आंध्रप्रदेश	72706
2.	अरुणाचलप्रदेश	623
3.	असम	38761
4.	बिहार	114383
5.	छत्तीसगढ़	7202
6.	गोवा	2487
7.	गुजरात	31573
8.	हरियाणा	164773
9.	हिमाचलप्रदेश	123210
10.	झारखंड	28070
11.	कर्नाटक	89727
12.	केरल	179724
13.	मध्यप्रदेश	54203
14.	महाराष्ट्र	193503
15.	मणिपुर	7627
16.	मेघालय	2843
17.	मिजोरम	5955
18.	नागालैंड	2940
19.	ओडिशा	43335
20.	पंजाब	339367
21.	राजस्थान	201434
22.	सिक्किम	1121
23.	तमिलनाडू	127932
24.	तेलंगाना	36721
25.	त्रिपुरा	2279
26.	उत्तरप्रदेश	391040
27.	उत्तराखंड	135778
28.	पश्चिमबंगाल	95003
29.	अंडमानएवंनिकोबार (यूटी)	667
30.	चंडीगढ़ (यूटी)	9991
31.	दादरानगरहवेली (यूटी)	0
32.	दिल्ली (यूटी)	61496
33.	जम्मूतथाकश्मीर (यूटी)	71702
34.	लक्षद्वीप (यूटी)	0

35.	लेहतथालद्दाख	5364
36.	पुदुचेरी (यूटी)	1792
	कुल (भारत)	**2645332**

''पूर्वसैनिकोंकाकल्याण'' केबारेमेंउल्लिखितअनुबंध-ख

केंद्रीयसैनिकबोर्ड (केएसबी) द्वारापूर्वसैनिकों /विधवाओंऔरवीरगति प्राप्त सैनिकों कीविधवाओंऔरउनकेआश्रितोंकोप्रदानकीजानेवालीविभिन्नकल्याणकारीयोजनाओंकाविवरण

1. आरएमईडब्ल्यूएफकेतहतसशस्त्रबलझंडादिवसनिधिमेंसेदिएजानेवालेलाभ:-

क्र.सं.	अनुदान	राशि (रुपएमें)
(क)	**पेन्युरीअनुदान (65 वर्षऔरउसकेऊपर)** (हवलदाररैंकतककेगैर-पेंशनर)	4,000/-रु. प्रतिमाह (आजीवन) 01 अप्रैल 17 सेप्रभावी
(ख)	**शिक्षाअनुदान (दोबच्चोंतक)** (i) लड़का/लड़कीकोस्नातकतक (ii) परास्नातकतकविधवाओंहेतु (हवलदाररैंकतककेपेंशनर/गैर-पेंशनर) औरदोबच्चोंतक	1,000/-रु. प्रतिमाह
(ग)	**दिव्यांगबालअनुदान** (जेसीओरैंकतककेपेंशनर/गैर-पेंशनर)	3,000/-रु. प्रतिमाह
(घ)	**पुत्रीकेविवाहहेतुअनुदान** (02 पुत्रियोंतक) (हवलदाररैंकतककेपेंशनर/गैर-पेंशनर)	50,000/-रु.*
	विधवापुनर्विवाहअनुदान (हवलदाररैंकतककेपेंशनर/गैर-पेंशनर) *यदिकेवलदिनांक 21 अप्रैल 16 कोयाउसकेबादहीविवाहित	
(ङ)	**चिकित्साउपचारअनुदान** (हवलदाररैंकतककेपेंशनर/गैर-पेंशनर)	30,000/-रु. (अधिकतम)
(च)	**अनाथअनुदान** (सभीरैंकोंकेपेंशनर/गैर-पेंशनर) • पूर्वसैनिकोंकीपुत्रियोंकोविवाहहोनेतक। • पूर्वसैनिकोंकेएकपुत्रको 21वर्षकीआयुतक।	3,000/-रु. प्रतिमाह (01 अप्रैल 2022 सेप्रभावी)
(छ)	**विधवाओंहेतुव्यावसायिकप्रशिक्षणअनुदान** (हवलदाररैंकतककेपेंशनर/गैर-पेंशनर)	20,000/-रु. (एकबारगी)

2. **सभीरैंकोंकेगैर-पेंशनभोगीपूर्वसैनिकों कोएएफएफडीकोषसेगंभीररोगअनुदान:-**

(क)	निम्नानुसारसूचीबद्धकिएगएगंभीररोग:- एंजियोप्लास्टी, एंजियोग्राफी, सीएबीजी, ओपनहार्टसर्जरी, वाल्वरिप्लेसमेंट, पेसमेकरइंप्लांट, रीनलइंप्लांट, प्रोस्टेटसर्जरी, ज्वाइंटरिप्लेसमेंटऔरसेरेब्रलस्ट्रोक अन्यरोग: जहांउपचारपर 1.00 लाखरुपएसेअधिकखर्चकिएगएहों।	**अधिकारियोंऔरपीबीओआरकेलिएकुलव्ययकाक्रमशः 75%/90% । 1.25 लाखरुपएतक (अधिकतम)**
(ख)	डायलिसिसऔरकैंसरउपचार	**अधिकारियोंऔरपीबीओआरकेलिएकुलव्ययकाक्रमशः 75%/90% । प्रत्येकवित्तीयवर्षमेंअधिकतमकेवल 75,000/-रु. तक**

3. **<u>संशोधितस्कूटरअनुदान</u>** - एकलाखरूपएउनपूर्वसैनिकोंकोप्रदानकिएगए, जोसेवाकेपश्चात्50% याअधिककीदिव्यांगताकेसाथदिव्यांगश्रेणीमेंआतेहैंऔरजोएकीकृतमुख्यालय (सेना, नौसेनाऔरवायुसेना) कीएजीशाखाकीयोजनाकेतहतकवरनहींहोतेहैं।

4. **<u>आवासऋणपरसहायतताराशि</u>** - युद्धदिवंगत, युद्धदिव्यांगोंऔरशांतिकालकेदौरानहताहतोंकोगृहनिर्माणकेलिएबैंकों/सार्वजनिकक्षेत्रसंस्थानोंसेलिएगएआ वासऋणपरसहायतताराशिप्रदानकरतेहुए50%ब्याजकापुनर्भुगतानकेंद्रीयसैनिकबोर्डद्वाराकियाजाताहै। 1,00,000/- रुपए (अधिकतम) ।

5. **<u>प्रधानमंत्रीछात्रवृत्तियोजना</u>** - पाठ्यक्रमोंकीसंपूर्णअवधिकेदौरानपात्रबच्चोंकोमेरिटपरआधारितकुल 5500 छात्रवृत्तियांप्रदानकीजातीहैं।छात्रवृत्तिकीदरेंनिम्नानुसारहैं:-

(क) लड़कोंकेलिए 2500/-रु. प्रतिमाह।

(ख) लड़कियोंकेलिए 3000/-रु. प्रतिमाह।

6. **<u>भूतपूर्वसैनिकोंकेपुनर्वासमेंसम्मिलितसंस्थानोंकोवित्तीयसहायता:-</u>**

क्र.सं.	**संगठन**	**सहायता/अनुदानकीमात्रा**

(क)	**पैराप्लेजिकपुनर्वासकेंद्र** (i) किरकी (ii) मोहाली	**स्थापनाअनुदान (प्रतिवर्ष)** (i) 1.20 करोड़रुपए (अप्रैल 16 सेप्रभावी) } 30,000 /-रु. प्रतिवर्ष प्रतिनिवासी (ii) 10,00,000 /-रु. (अप्रैल 15 सेप्रभावी)
(ख)	अखिलभारतीयगोरखाभूतपूर्वसैनिककल्याणसंगठन, देहरादून	12,00,000/-रु. प्रतिवर्ष
(ग)	**चेशरहोम्स** (i) लखनऊ, दिल्लीऔरदेहरादून	15,000/-रु. प्रतिवर्षप्रतिनिवासी
(घ)	**युद्धस्मारकहॉस्टल** 36 युद्धस्मारकहॉस्टलहैंजोकिशहीदोंकीविधवाओं/युद्धदिव्यांगोंकेबच्चों, संबद्धऔरगैरसंबद्धमामलोंमेंआश्रयप्रदानकरतेहैं।	1350/-रु. प्रतिमाह

7.

भारतसरकारकेनामितिकेतौरपररक्षाकार्मिकोंकेबच्चोंहेतुचिकित्सा/दंतचिकित्साकालेजोंमें सीटोंकाआरक्षण:-

स्वास्थ्यपरिवारकल्याणमंत्रालयकेद्वाराकेंद्रीयसैनिकबोर्डकोभारतसरकारकेनामितिकेतौरपररक्षाकार्मिकोंके बच्चोंकेलिएकुल 37 एमबीबीएससीटेंऔरबीडीएसपाठ्यक्रमकी 3 सीटेंआबंटितकीगईहैं।

''पूर्वसैनिकोंकाकल्याण'' केबारेमेंउल्लिखितअनुबंध-ग

पुनर्वासमहानिदेशालय (डीजीआर) केद्वारानिम्नलिखितकेमाध्यमसेपूर्वसैनिकों केपुनर्वासकेलक्ष्यकोप्राप्तकियाजानाअपेक्षितहै:-

(क) नएकामकाज/कार्योंकोकरनेकेलिएतैयारकरनेहेतुआवश्यकप्रशिक्षणप्रदानकरकेपूर्वसैनिकोंकेकौशलकाउन्नयनकरनाऔरपुनःनियोजनकोतलाशनेमेंभूतपूर्वसैनिकोंकीसहायताकरना।

(ख) सरकारी/अर्ध-सरकारी/सार्वजनिकक्षेत्रकेसंगठनोंमेंरोजगारअवसरप्रदानकरनेकेलिएनिरंतरप्रयासकरना।

(ग) कारपोरेटक्षेत्रमेंपूर्वसैनिकोंकेपुनःनियोजनकीसुविधाकेलिएसक्रियकार्रवाईकरना।

(घ) स्वरोजगारकेलिएनिम्नलिखितयोजनोंकेमाध्यमसेनौकरियांप्रदानकरना:-

(i) पूर्वसैनिक (ईएसएम) कोयलालदानऔरपरिवहनयोजना
(ii) विधवाओंऔरदिव्यांगपूर्वसैनिकोंकेलिएकोयलाटिप्परअटैचमेंटयोजना
(iii) सुरक्षाएजेंसीयोजना
(iv) तकनीकीसेवाएंप्रदानकरनेकेलिएयोजना
(v) 8%कोटायोजनाकेतहततेलउत्पादएजेंसियोंकेआबंटनहेतुपात्रताप्रमाण-पत्रजारीकरना
(vi) कंपनीस्वामित्ववालेकंपनीसंचालित (कोको) बिक्रीकेंद्रप्रबंधन
(vii) मदरडेयरीकेमिल्कबूथऔरफलवसब्जी (सफल) दुकानोंकाआबंटन
(viii) राष्ट्रीयराजधानीक्षेत्र (एनसीआर) मेंपूर्वसैनिकों (अधिकारियों) केद्वारासीएनजीस्टेशनकाप्रबंधन
(ix) नियमितएलपीजीवितरणअधिकारकाआबंटनकरनेकेलिएपात्रताप्रमाण-पत्रजारीकरना
(x) खुदराबिक्रीकेंद्र (पेट्रोलऔरडीज़ल) केआबंटनकेलिएपात्रताप्रमाण-पत्रजारीकरना।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजलोकसभामेंश्रीरामचरणबोहराऔरश्रीसुनीलकुमारमंडलद्वारापूछेगए एकप्रश्नकेलिखितउत्तरमेंयहजानकारीलोकसभाकेपटलपररखी।

एबीबी/डीके/डीएस

/लोकसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****
'हरकामदेशकेनाम'

नईदिल्लीःश्रावण14, 1944
शुक्रवारः 05 अगस्त 2022

रक्षाअनुसंधानसंस्थान

आजकीतारीखतकदेशमेंडीआरडीओकेपांचयुवावैज्ञानिकप्रयोगशालाओंसहित 46 प्रयोगशालाएं/स्थापनाएंहैं।

रक्षाक्षेत्रमेंअनुसंधानकोबढ़ावादेनेकेलिएसरकारनेनिम्नलिखितकदमउठाएंहैं:-

- युवाओंकोनवीनतरनवाचारोंकेलिएप्रोत्साहितकरनेहेतुपांचयुवावैज्ञानिकप्रयोगशालाओं (डीवाईएसएल) कासृजन- युवावैज्ञानिकों/अभियंताओंकोडीआरडीओसेजुड़नेकेलिएआकर्षितकरनेहेतुतथाउभरतेहुएइंजीनियरिंगक्षेत्रोंएवंउन्नतप्रौद्योगिकियोंजैसेआर्टिफिशियलइंटेलिजेंस, क्वांटमप्रौद्योगिकी, कॉग्निटिवप्रौद्योगिकी, असिमिट्रिकप्रौद्योगिकीतथास्मार्टमैटेरियलमेंआरएण्डडीवातावरणप्रदानकरनेऔरयुवावैज्ञानिकोंको अपनीप्रतिभासाबितकरनेकीपर्याप्तस्वतंत्रताप्रदानकरनेकेलिएडीआरडीओनेपांचयुवावैज्ञानिकप्रयोगशालाओं (डीवाईएसएल) कासृजनकियाहै।
- डीआरडीओनेमेधावी, युवावैज्ञानिकों/अभियंताओंकोउच्चतरयोग्यताअर्जितकरनेअथवाअनुसंधानअनुभवकीप्राप्तिकेलिए अनुसंधानकार्यकरनेहेतुअवसरप्रदानकरनेकेलिएअनुसंधानछात्रवृत्तियोंकीयोजनाशुरूकीहै।इसकेअतिरिक्त, डीआरडीओद्वाराअन्ययोजनाएंजैसेईआरएवंआईपीआरद्वारासहायताअनुदानस्कीम, अनुसंधानबोर्डोंकेअन्तर्गतविभिन्नयोजनाएं/एमओयू, प्रदर्शनी, अन्तरस्कूलएवंअन्तरकॉलेजस्तरकीप्रतिस्पर्धाओंआदिकोभीस्कूलएवंकॉलेजकेविद्यार्थियोंमेंरक्षाप्रौद्योगिकियोंमेंरूचिपैदाकरनेकेलिएशुरूकीगईहैं।
- स्कूलएवंकॉलेजकेविद्यार्थियोंमेंरक्षाप्रौद्योगिकियोंमेंरूचिपैदाकरनेकेलिएडीआरडीओद्वाराबी.टेक/एम.टेक/एमएससीविद्यार्थियोंकेलिएसवेतनशिक्षुतायोजना, प्रशिक्षुता, प्रदर्शिनियां, अन्तरकॉलेजस्तरकीप्रतिस्पर्धाएंआदिभीशुरूकीगईहैं।
- डिफेंसइंडस्ट्रीएकैडमियासेन्टरऑफएक्सीलेंस (डीआईएसीओई): आईआईटी/विश्वविद्यालयोंकोविज्ञानतथाप्रौद्योगिकीपरियोजनाओंकोप्रारंभकरनेतथाइनडीआरडीओद्वारावित्तपोषितकेंद्रोंमेंविशेषपरीक्षणसुविधाओंकासृजनकरनेकेलिएडीआरडीओडीआईएसीओईकेमाध्यमसेआर्थिकसहायताप्रदानकररहाहै।वर्तमानमें, अबतकडीआरडीओद्वाराऐसे 10 डीआईएसीओईस्थापितकिएजाचुकेहैं।
- साइबरएवंआर्टिफिशियलइंटेलिजेंस (एआई) पाठ्यक्रम: डीआरडीओनेएआईएवंमशीनलर्निंग (एमएल) मेंप्रमाणितपाठ्यक्रमोंकाआयोजनकियाहैऔरअबतक 1000 सेअधिकपेशेवरोंकोइनक्षेत्रोंमेंप्रशिक्षितकियाजाचुकाहै।
- एमएचआरडीद्वारावित्तपोषितसंस्थानोंकेअन्तर्गतप्रायोजितछात्रवृत्तियोंकेमाध्यमसेउच्चशिक्षासंस्थानतथाडीआरडीओकेबीचसहयोग: इसयोजनाकेअन्तर्गत, विभिन्नडीआरडीओपरियोजनाओंमेंकार्यकरनेजिससेकियुवाशोधछात्रोंकोआकर्षितकियाजासकेतथा उन्हेंडीआरडीओंकीअत्याधुनिकरक्षाप्रौद्योगिकियों, उच्चस्तरकेअनुसंधानएवंविकासगतिविधियोंमेंकार्यकरनेकाअवसरप्रदानकियाजासके, केलिए 500 छात्रोंकोमानवसंसाधनविकासमंत्रालयकेअन्तर्गतएआईसीटीई/केन्द्रीयप्रायोजिततकनीकीसंस्थानोंमेंपीएचडीपाठ्यक्रमहेतुप्रायोजितकियागयाहै।इसयोजनाकेअन्तर्ग

त,
छात्रउत्कृष्टप्रौद्योगिकीक्षेत्रमेंजारीआरएण्डडीपरियोजनाकाप्रत्यक्षअनुभवप्राप्तकरनेकाअवसरपातेहैं।

- प्रौद्योगिकीविकासकोष (टीडीएफ) निदेशालय: टीडीएफकासृजनप्रौद्योगिकीविकासयोजनाकेअन्तर्गतपरियोजनाओंकेलिएकियागयाथा।यहयोजना सार्वजनिक/निजीउद्योगोंविशेषकरएमएसएमईएवंस्टार्टअप्सकीभागीदारीकोप्रोत्साहितकरतीहै, जिससेरक्षाअनुप्रयोगहेतुअत्याधुनिकप्रौद्योगिकीक्षमताबढ़ानेकेलिएवातावरणकानिर्माणहोसके।

पिछलेपांचवर्षोंकेदौरानरक्षाअनुसंधानएवंविकासविभाग (डीडीआरएण्डडी) द्वाराव्ययकिएगएराशियोंकाविवरणनिम्नलिखितहै:-

(करोड़रु. में)

वर्ष	डीडीआरएण्डडीव्यय
2017-18	15203.04
2018-19	17049.01
2019-20	17375.13
2020-21	15706.98
2021-22	18290.98

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजलोकसभामेंकुंवरपुष्पेन्द्रसिंहचन्देलद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखितउत्तरमेंयहजानकारीलोकसभाकेपटलपररखी।

एबीबी/डीके/डीएस

/लोकसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****

'हरकामदेशकेनाम'

नईदिल्ली:श्रावण14, 1944
शुक्रवार: 05 अगस्त 2022

रक्षाउपकरणोंकीखरीद

पूंजीगतअर्जनहेतुप्रस्तावोंकोदसवर्षीयएकीकृतक्षमताविकासयोजना (आईसीडीपी), पंचवर्षीयरक्षाक्षमताअर्जनयोजना (डीसीएपी) औरदोवर्षीयरोलओवरवार्षिकअर्जनयोजना (एएपी) केसाथप्रारंभकीगईएकविस्तृतप्रकियाकेजरिएआगेबढ़ायाजाताहैं।योजनाओंकेअनुमोदितहोनेकेबाद 300 करोड़रुपएतककेमामलोंकेलिएसीआईएससीकीअध्यक्षतावालेसेनाअधिप्राप्तिबोर्ड (एसपीबी), 300 करोड़रुपएसेअधिकऔर 500 करोडरुपयेतककेमामलोंकेलिएरक्षासचिवकीअध्यक्षतावालेरक्षाअधिप्राप्तिबोर्ड (डीपीबी) और 500 करोड़रुपएसेअधिककेमामलोंकेलिएरक्षामंत्रीकीअध्यक्षतावालीरक्षाअर्जनपरिषद (डीएसी) द्वाराआवश्यकताहेतुस्वीकृति (एओएन) प्रदानकीजातीहै।आवश्यकताहेतुस्वीकृतिप्रदानकिएजानेकेपश्चात, प्रत्यायोजितवित्तीयशक्तियोंकेअनुसारसेनाओं/रक्षामंत्रालयद्वारानिविदाएंआमंत्रितऔरसंविदाएंप्रदानकीजाती है।वर्ष 2020-21 सेवर्ष 2022-23 (30 जून, 2022 तक) कीअवधिमें 1,83,778.34 करोड़रुपएराशिकी 59 आवश्यकताहेतुस्वीकृतियांप्रदानकीगईहैंऔर 1,19,045.3 करोड़रुपएराशिकी 91 संविदाओंकोअंतिमरूपदियागयाहै।

रक्षाउपस्करकापूंजीगतअर्जनरक्षाअर्जनप्रक्रिया (डीएपी) केप्रावधानोंकेअनुसारकियाजाताहै।डीएपी- 2020 मेंअर्जनक्रियाकलापोकोपूराकरनेकेलिएसमय-सीमानिर्धारितकीगईहै।इसकेअलावा, किग्राकलापोकीनियमितरूपसेनिगरानीकीजातीहैजिससेकिप्रस्तावोंकोअंतिमरूपदियाजानाऔरसंविदाओं काअविलंबनिष्पादनसुनिश्चितकियाजासके।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजलोकसभामेंश्रीअशोककुमाररावतद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखितउत्त रमेंयहजानकारीलोकसभाकेपटलपररखी।

एबीबी/डीके/डीएस

/लोकसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****

'हरकामदेशकेनाम'

नईदिल्लीःश्रावण14, 1944
शुक्रवारः 05 अगस्त 2022

सशस्त्रसेनाओंकेकार्य-निष्पादनऔरदक्षताकीसंपरीक्षा

इससमितिमेंअध्यक्षकेरूपमेंरक्षासचिवऔरतीनोंसेनाओंकेसहप्रमुख, सचिव (रक्षा) वित्त/ वित्तसलाहकार (डीएस), एकीकृतस्टाफसमितिकेप्रमुख (सीआईएससी), रक्षालेखामहानियंत्रक (सीजीडीए), महानिदेशक (अर्जन) औररक्षामंत्रालयतथारक्षाअनुसंधानएवंविकाससंगठन (डीआरडीओ) केअन्यवरिष्ठअधिकारीसदस्यकेरूपमेंशामिलहैं।निष्पादन/ दक्षतालेखापरीक्षाविश्वसनीय, वास्तविकऔरनिष्पक्षसूचनाउपलब्धकराकर, आयोजना, क्रियान्वयन, विशेषरूपसेपरिणामों/निष्कर्षोंऔरसामान्यरूपसेव्यय/ प्रबंधनकीगुणवत्ताकोप्रभावितकरनेवालेप्रणालियोंमेंकमियोंकोरेखांकितकरकेउच्चस्तरीयप्रबंधनकोबहुमूल्यइनपुटप्रदानकरनेपरलक्षितहोगी।

सीजीडीएकोनिष्पादनऔरदक्षतालेखापरीक्षाकरनेकाअधिदेश 14 जुलाई, 2022 कोदियागयाथा।लेखापरीक्षाकरनेकेलिएअभिज्ञातविस्तृतक्षेत्रोंमेंरक्षापूंजीगतखरीद, प्रबंधन, संभार-तंत्र, इन्वेंट्रीस्तर, प्लेटफॉर्मों/परिसंपत्तियोंकारखरखाव, अथॉरिटीहोल्डिंगसील्डपर्टीकुलर्स (एएचएसपी) इत्यादिकीभूमिकाऔरनिष्पादनशामिलहैं।शीर्षसमितिनिष्पादनऔरदक्षतालेखा-परीक्षाकेलिएकिसीअन्यविशिष्टक्षेत्रकीसिफारिशभीकरसकतीहै।यहसंगठनमेंउत्तरदायित्वऔरपारदर्शिताका अनिवार्यवातावरणबनाकरऔरसततसुधारकेमाध्यमसेकार्यकोप्रभावीढंगसेकरनासुनिश्चितकरकेशासनमेंअर्थ व्यवस्था, प्रभावकारिताऔरदक्षताकोरचनात्मकरूपसेबढ़ावादेगा।

रक्षासैन्यबलोंकेआधुनिकीकरणमेंरक्षाक्षमताओंकाउन्नयनकरनेऔरसंवर्धनकरनेकेलिएनएआधुनिकतमप्लेटफॉर्मों, प्रौद्योगिकियोंऔरशस्त्रप्रणालियोंकाअर्जनशामिलहैऔरयहसुरक्षाचुनौतियोंकेसंपूर्णपरिदृश्यकोअनुकूलबनानेकेलिएसशस्त्रबलोंकोतैयारीकीस्थितिमेंरखनेकेलिएजोखिमअवधारणा, संक्रियात्मकआवश्यकताओंऔरप्रौद्योगिकीयपरिवर्तनोंपरआधारितएकसततप्रक्रियाहै।सरकारयहसुनिश्चितकरनेकोसर्वोच्चप्राथमिकतादेतीहैकिकिसीसंक्रियात्मकआवश्यकताकोपूराकरनेकेलिएसशस्त्रबलपर्याप्तरूपसेसुसज्जितहोंजिसेनएउपस्करोंकोशामिलकरकेतथाक्षमताओंकेप्रौद्योगिकीयउन्नयनसेप्राप्तकियाजासकताहै।

सशस्त्रबलोंकीउपस्करआवश्यकताओंकीयोजनाबनाईजातीहैऔरएकविस्तृतप्रक्रियाद्वाराइसेआगेबढ़ायाजाताहैजिसमेंदसवर्षीयएकीकृतक्षमताविकासयोजना (आईसीडीपी), पंचवर्षीयरक्षाक्षमताअर्जनयोजना (डीसीएपी) औरवार्षिकअर्जनयोजना (एएपी) तथारक्षामंत्रीकीअध्यक्षतावालीरक्षाअर्जनपरिषदद्वाराविचार-विमर्शशामिलहैं।

सरकारदेशमेंसार्वजनिकएवंनिजीक्षेत्रकेउद्योगोंकीक्षमताओंकाउपयोगकरकेरक्षाक्षेत्रमेंस्वदेशीकरण औरआत्मनिर्भरताकेउच्चस्तरोंकोहासिलकरनेकेलिएकईपहलोंपरकार्यकररहीहै।इनउपायोंमेंभारतीयविक्रेताओंमेंअधिप्राप्तिकोप्राथमिकताऔरवरीयतादेनातथालाइसेंसिंगव्यवस्थाकाउदारीकरणशामिलहै।

रक्षाअर्जनप्रक्रिया (डीएपी)-2020 रक्षाउपस्करों, प्लेटफॉर्मों, प्रणालियोंऔरउप-प्रणालियोंकेस्वदेशीअभिकल्पन, विकासऔरविनिर्माणकोबढ़ावादेकरभारतसरकारकेआत्मनिर्भरभारतअभियानकेभागकेरूपमेंघोषितरक्षासुधारकार्योंकेसिद्धांतोंसेसंचालितहोतीहै।डीएपी 2020 खरीदोभारतीय (अभिकल्पित, विकसितएवंविनिर्मित) (आईडीडीएम) कोसर्वोच्चप्राथमिकतादेताहै।भारतमेंइनहथियारों/प्लेटफॉर्मोंकेउत्पादनकोबढ़ावादेनेकेलिए, आयातपरप्रतिबंधलगानेहेतुहथियारों/प्लेटफॉर्मोंकीसूचियांअधिसूचितकीगईहै।खरीदो (वैश्विक-भारतमेंविनिर्माण) कीएकनईश्रेणीशामिलकीगईहैताकिकलपुर्जोंकाप्रारंभसेहीस्वदेशीकरणकियाजासके।यहश्रेणीविदेशीमूलउपस्करविनिर्माताओं (ओईएमएस) कोभारतमेंउनकीसहायककम्पनीकेमाध्यमसे 'विनिर्माण/अनुरक्षणसंस्थाओं' कीस्थापनाकरनेकेलिएप्रोत्साहितकरतीहै।भारतीयविक्रेताकीपरिभाषाकोभीनईएफडीआईनीतिकेअनुकूलबनायागयाहै।सरकारनेनिजीक्षेत्रसहितभारतीयऔद्योगिकपारि-प्रणालीकीबृहत्तरभागीदारीद्वाराआत्म-निर्भरताकेउद्देश्यकेसाथमेक II औरमेक III श्रेणियोंकोलागूकियाहै।उद्योगद्वारावित्तपोषितविकासपरियोजनाओंकेलिएसरलीकृतमेक-II प्रक्रियाकोअधिसूचितकियागयाहै।एमएसएमईऔरछोटेशिपयार्डोंकेलिए 100 करोड़रुपएसेअधिककेप्रतिवर्षकेआर्डरोंपरआरक्षणप्रदानकिएगएहैं।सरकारनेरक्षाक्षेत्रमेंसामरिकभागीदारीसंबंधीनीतिभीप्रख्यापितकीहैताकिप्रमुखरक्षाप्लेटफार्मऔरउपस्करोंकेविनिर्माणमेंनिजीक्षेत्रकीबृहत्तरभागीदारीकोप्रोत्साहितकियाजासके।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजलोकसभामेंश्रीसुधीरगुप्ताएवंअन्यद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखितउत्तरमेंयहजानकारीलोकसभाकेपटलपररखी।

एबीबी/डीके/डीएस

/लोकसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****

'हरकामदेशकेनाम'

नईदिल्ली:श्रावण14, 1944
शुक्रवार: 05 अगस्त 2022

रक्षाकेक्षेत्रमेंविज्ञानऔरप्रौद्योगिकीकोअपनाना

सरकारनेरक्षाक्षेत्रमेंविज्ञानऔरप्रौद्योगिकीकेअनुप्रयोगकाउपयोगकरकेअत्याधुनिकरक्षाउत्पादों केस्वदेशीविनिर्माणकेलिएकईनीतिगतपहलेंशुरूकीहैं।इनपहलोंमेंअन्यबातोंकेसाथ-साथनिम्नलिखितशामिलहैं:-

I. रक्षाउपस्करोंकेस्वदेशीडिजाइनऔरविकासकोबढ़ावादेनेहेतु, 'खरीदो {भारतीय-आईडीडीएम (स्वदेशीरूपसेअभिकल्पित, विकसितएवंविनिर्मित)}' श्रेणीकोपूंजीगतउपस्करोंकीअधिप्राप्तिकेलिएसर्वोच्चप्राथमिकताप्रदानकीगईहै।

II. अप्रैल 2018 , मेंरक्षाउत्कृष्टतानवोन्मेष (आईडीईएक्स) शीर्षकसेरक्षाकेलिएएकनवोन्मेषपारिस्थितिकीतंत्रकीशुरूआतकीगईहै।आईडीईएक्सकाउद्देश्यसूक्ष्म, लघुएवंमध्यमउद्यमों (एमएसएमई) स्टार्टअप , वैयक्तिकनवोन्मेषकों , अनुसंधानऔरविकाससंस्थानोंऔरशैक्षिकसंस्थानोंसहितउद्योगोंकोशामिलकररक्षाऔरएयरोस्पेसमें नवोन्मेषऔरप्रौद्योगिकीविकासकोबढ़ावादेनेकेलिएएकपारिस्थितिकीतंत्रकासृजनकरनाऔरउन्हेंऐसेअनुसंधानऔरविकासकार्यकरनेकेलिएअनुदान/वित्तपोषणवअन्यसहायताउपलब्धकरानाहैजिसकीभारतीयरक्षाऔरएयरोस्पेसआवश्यकताओंकेलिएभविष्यमेंअपनानेकीसंभावनाहो।

III. रक्षामेंआर्टिफिशियलइंटेलिजेन्सअपनानेकेलिएरक्षाएआईपरिषद (डीएआईसी) औररक्षाएआईपरियोजनाएजेंसी (डीएआईपीए) बनाएगएहैं।इसकेअतिरिक्त, एआईरोडमैपकोभीअंतिमरूपदियागयाहै।

IV. 'खरीदोऔरबनाओ (भारतीय)' और 'खरीदो (वैश्विक-भारतमेंविनिर्माण)' श्रेणीकेअंतर्गतडीएपी-2020 मेंविशेषप्रावधानकिएगएहैंजहांस्वदेशीउत्पादनकोविदेशीओईएमसेप्रौद्योगिकीकेअंतरणकेसाथकियाजाताहै।

V. सरकारीसंस्थाओंसहितभारतीयउद्यमोंकेलिएप्रौद्योगिकीकेअंतरण (टीओटी) केमाध्यमसेविदेशीओईएमद्वाराऑफसेटदायित्वोंकेनिस्तारणकोभीशामिलकियागयाहै।

VI. सरकारने 'सामरिकसाझेदारी) एसपी ('मॉडलअधिसूचितकियाहैजिसमेंएकपारदर्शीऔरप्रतियोगी प्रक्रियाकेजरिएभारतीयकंपनियोंकेसाथदीर्घकालिकसामरिकभागीदारीस्थापितकरनेकीपरिकल्पना कीगईहैजिनमेंवेप्रौद्योगिकीहस्तांतरणोंकेलिएवैश्विकमूलउपस्करविनिर्माताओं) ओईएम (केसाथगठबंधनकरेंगेताकिघरेलूविनिर्माणअवसंरचनाऔरआपूर्तिश्रृंखलाएंस्थापितकीजासकें।

VII. रक्षाअनुसंधानएवंविकास (आरएंडडी) कोदेशमेंरक्षाप्रौद्योगिकीकेविकासकोप्रोत्साहितकरनेकेलिएरक्षाआरएवंडीबजटकेलिएनिर्धारित 25% केसाथउद्योग, स्टार्टअपऔरशैक्षिकसंस्थानोंकेलिएखोलागयाहै।

VIII. रक्षाअनुसंधानएवंविकाससंगठन (डीआरडीओ) नेकेन्द्रितअनुसंधानकेलिएनौविशेषक्षेत्रोंकीपहचानकीहै, जिनकेनामहैं: प्लेटफार्म, आयुधप्रणाली, सामरिकप्रणालियां, संवेदकऔरसंचारप्रणालियां, अंतरिक्ष, साइबरसुरक्षा, आर्टिफिशियलइंटेलिजेन्सऔररोबोटिक्स, सामग्रीऔरसाधनएवंसैनिकसहायता।

IX. प्रौद्योगिकीविकासनिधि (टीडीएफ) स्कीमरक्षाऔरएयरोस्पेसकेक्षेत्रमेंरक्षाप्रौद्योगिकियोंकेनवोन्मेष, अनुसंधानएवंविकासहेतुउद्योगोंविशेषतःस्टार्ट-अपऔरएमएसएमईकेलिएभी 10 करोड़रू. कीधनराशितककावित्तपोषणकरतीहै।

इनपहलोंकेपरिणामस्वरूपदेशमेंपिछलेकुछवर्षोंकेदौरान155 एमएमआर्टिलरीगनप्रणाली 'धनुष' ; हल्केलड़ाकूविमान 'तेजस' , सतहसेहवामेंमारकरनेवालीमिसाइलप्रणाली'आकाश'; मुख्ययुद्धटैंक'अर्जुन'; टी-90 टैंक, टी-72 टैंक, सैनिकोंकोलेजानेवालेकवचित 'बीएमपी-II/IIके', सू-30 एमके1, चीताहेलिकॉप्टर, उन्नतहल्काहेलिकॉप्टर, डोर्नियरडू-228, हाई-मोबिलिटीट्रक, आईएनएसकल्वरी, आईएनएसखंडेरी, आईएनएसचैन्ने, पनडुब्बीरोधीयुद्धकार्वेट (एएसडब्ल्यूसी), अर्जुनकवचितरिपेयरएंडरिकवरीव्हीकल, ब्रिजलेइंगटैंक, 155 एमएमगोलाबारूदकेलिएबाई-मॉड्यूलरचार्जप्रणाली (बीएमसीएस), मीडियमबुलेटप्रूफव्हीकल (एमबीपीवी), वेपनलोकेटिंगरडार (डब्ल्यूएलआर), एकीकृतवायुकमानएवंनियंत्रणप्रणाली (आईएसीसीएस), सॉफ्टवेयरडिफाइंडरेडियो (एसडीआर), पायलटरहितलक्ष्यविमानकेलिएलक्ष्यपैराशूट, युद्धटैंकोंकेलिएऑप्टोइलैक्ट्रानिकसाइट, वाटरजेटफास्टअटैकक्राफ्ट, इनशोरपेट्रोलवैसल, ऑफशोरपेट्रोलवैसल, फास्टइंटरसैप्टरबोट, लैंडिंगक्राफ्टयूटिलिटी, 25 टीटगआदिसहितकईनवोन्नतउत्पादोंकानिर्माणकियागयाहै।

डीआरडीओद्वाराअभिकल्पितऔरविकसितमानवरहितहवाईवाहनकापूरीतरहसेस्वायत्तरूपमेंसफलतापूर्व कपरीक्षणकियाजाचुकाहै।यहउड़ानभावीमानवरहितविमानोंकेविकासकेलिएमहत्वपूर्णप्रौद्योगिकियोंकोसिद्ध करनेकीओरएकमीलकापत्थरसाबितहुईहैऔरऐसीसामरिकरक्षाप्रौद्योगिकियोंमेंआत्मनिर्भरताकीओरएकमह त्वपूर्णकदमहै।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजलोकसभामेंश्रीरतनलालकटारियाद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखितउत्तर मेंयहजानकारीलोकसभाकेपटलपररखी।

एबीबी/डीके/डीएस

/लोकसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****

'हरकामदेशकेनाम'

नईदिल्लीःश्रावण14, 1944
शुक्रवारः 05 अगस्त 2022

रक्षाउत्पादोंकाउत्पादन

सरकारनेरक्षाउत्पादोंकीस्वदेशीडिजाइन, विकासऔरविनिर्माणकेलिएकईउपायकिएहैं।सैन्यकार्यविभाग (डीएमए/एमओडी) द्वारा 310 मदों (क्रमशः 101,108 और 101) कोशामिलकरतेहुएउनकेसामनेइंगितसमयसीमाओंजिसकेपश्चातइनमदोंकीखरीदस्वदेशीस्रोतोंसेकीजाएगी, केसाथक्रमशः 21 अगस्त 2020, 31 मई 2021 और 07 अप्रैल 2022 कोतीनसकारात्मकस्वदेशीकरणसूचियांजारीकीगईहैं।उत्पादोंकीडिजाइनऔरविकासकेलिएउद्योगोंकोआगे आनेकाप्रस्तावदियागयाहै।

इसकेअलावा, रक्षाविनिर्माणमेंआत्मनिर्भरताकेसततप्रयासऔरडीपीएसयूद्वाराआयातकोन्यूनतमकरनेकेउद्देश्यसेडीडीपी/एमओडीनेदिनांक 27 दिसंबर, 2021 और 28 मार्च, 2022 कोउप-प्रणालियों/असेम्बलीज/सब-असेम्बलीज/घटकोंकीदोसकारात्मकस्वदेशीकरणसूची (पीआईएल) अधिसूचितकीहै।पहलीसूचीमें 2500 मदेंहैंजिनकास्वदेशीकरणपहलेहीकियाजाचुकाहैऔर 351 मदेंहैंजिनकास्वदेशीकरणशुरूकियाजाचुकाहै।दूसरीसूचीमें 107 सामरिकमहत्वकीलाइनरिप्लेसमेंटइकाइयां/ मुख्यसब-असेम्बलीजशामिलहैं।उद्योगोंकेलिएअपनीरुचिदिखानेहेतुइनमदोंकीसूचीऔरउनकाब्यौरासृजनपोर्टलपरउपलब्धहै।इनमदोंकेलिएएकसमयसीमाअधिसूचितकीगईहैजिसकेपश्चातउनकेआयातपरप्रतिबंधहोगा।अबतक पहलीसकारात्मकस्वदेशीकरणसूचीकी 351 मदोंमेंसे 154 मदोंऔरदूसरीसकारात्मकस्वदेशीकरणसूचीकी 107 मदोंमेंसे 4 मदोंकास्वदेशीकरणपहलेहीकियाजाचुकाहै।

स्वदेशीसंसाधनोंसेरक्षाउत्पादोंकेस्वदेशीकरणऔरअधिप्राप्तिपरसरकारद्वाराजोरदिएजानेकेकारणपिछले 4 (चार) वर्षोंअर्थात 2018-19 से 2021-22 मेंविदेशीस्रोतोंसेरक्षाखरीदपरव्यय 46% सेघटकर 36% होगयाहै।इसकेअलावा, सरकारनेपिछलेचारवर्षोंअर्थात 2018-19 से 2021-22

मेंस्वदेशीस्रोतोंसेपूंजीगतखरीदकीविभिन्नश्रेणियोंकेअंतर्गतलगभग 2,51,130 करोड़रु. मूल्यके 162 प्रस्तावोंकोआवश्यकताकीस्वीकृति (एओएन) दीहै।

इसकेअतिरिक्त, आयातोंपररोककेलिएसमयसीमादिसंबर, 2020 सेदिसंबर, 2028 तककेलिएहै,
इसलिएइसचरणमेंविदेशीमुद्रासंबंधीबचतोंऔररोजगारकेअवसरोंकाआकलननहींकियाजासकताहै।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजलोकसभामेंसुश्रीदेबाश्रीचौधरीद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखितउत्तरमेंय हजानकारीलोकसभाकेपटलपररखी।

एबीबी/डीके/डीएस